

'प्रदूषण और स्वास्थ्य' रपिोर्ट

प्रलिमिंस के लयि:

प्रदूषण और स्वास्थ्य: एक प्रगत अद्यतन, वायु प्रदूषण, लेड प्रदूषण, pm 2.5

मेन्स के लयि:

प्रदूषण और स्वास्थ्य के बीच अंतरसंबंध, वायु प्रदूषण से नपिटने के उपाय

चर्चा में क्यों?

हाल ही में द लैंसेट प्लेनेटरी हेल्थ में प्रकाशित एक रपिोर्ट 'प्रदूषण और स्वास्थ्य: एक प्रगत अद्यतन' के अनुसार, वर्ष 2019 में भारत में 16.7 लाख मौतों या कुल मौतों के 17.8% के लयि वायु प्रदूषण ज़मिमेदार था।

प्रदूषण और स्वास्थ्य रपिोर्ट के नषिकर्ष:

■ वैश्वकि:

- अकेले **वायु प्रदूषण** के कारण 66.7 लाख मौतें हुईं, जो वर्ष 2015 के पछिले वशिलेषण का अद्यतन है।
 - कुल मलाकर वर्ष 2019 में पूरी दुनयिा में लगभग 90 लाख लोगों की प्रदूषण की वजह से मौत हुईं. वैश्वकि स्तर पर समय से पहले होने वाली हर छह मौतों में से एक मौत प्रदूषण के कारण हुई, जो यह दर्शाता है कि वर्ष 2015 के पछिले आकलन में कोई सुधार नहीं हुआ है।
- **45 लाख मौतों के लयि परविशी वायु प्रदूषण** तथा 17 लाख मौतों के लयि खतरनाक रासायनकि प्रदूषक ज़मिमेदार थे, जसिमें 9 लाख मौतें **लेड प्रदूषण** के कारण हुईं।

■ भारत :

- भारत में वायु प्रदूषण से संबंधति 16.7 लाख मौतों में से अधकिंश, लगभग 9.8 लाख मौतें **PM2.5 प्रदूषण** के कारण हुईं तथा अन्य 6.1 लाख मौतें परविशी वायु प्रदूषण के कारण हुईं।
- हालाँकि अत्यधिक गरीबी से जुड़े प्रदूषण स्रोतों (जैसे घर के अंदर वायु प्रदूषण और जल प्रदूषण) से होने वाली मौतों की संख्या में कमी आई है, लेकनि औद्योगकि प्रदूषण (जैसे परविशी वायु प्रदूषण व रासायनकि प्रदूषण) के कारण होने वाली मौतों के मामले में वृद्धि दिखी गई।
- **इंडो-गैंगेटकि मैदान** में वायु प्रदूषण सबसे गंभीर समस्या है।
 - इस कषेत्र में **नई दलिली और कई सबसे प्रदूषति शहर शामिल हैं।**
- वायु प्रदूषण से नपिटने में वफिलता:
 - घरों में बायोमास का जलना भारत में वायु प्रदूषण से होने वाली मौतों का अकेला सबसे बड़ा कारण था, इसके बाद क्रमशः कोयले का दहन व पराली जलाना है।
 - **प्रधानमंत्री उज्जवला योजना कार्यक्रम** सहति घरेलू वायु प्रदूषण से नपिटने हेतु भारत के महत्त्वपूर्ण प्रयासों के बावजूद मौतों की संख्या अधिक बनी हुई है।
 - **राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम** और राष्ट्रीय राजधानी कषेत्र में **वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग** के बावजूद भारत में वायु प्रदूषण नयितरण प्रयासों के लयि मज़बूत केंद्रीकृत प्रशासनकि प्रणाली का अभाव है, जसिके परिणामस्वरूप समग्र वायु गुणवत्ता में सीमति व असमान सुधार हुआ है।

■ लेड प्रदूषण:

- वशिव स्तर पर **प्रत्येक वर्ष अनुमानति 9 लाख लोगों की मौत लेड प्रदूषण के कारण होती है**, यह संख्या कम या ज़्यादा हो सकती है।
- पहले लेड प्रदूषण का स्रोत लेड वाले पेट्रोल था जसि लेड रहति पेट्रोल में बदल दिया गया था।
- लेड एक्सपोजर के अन्य स्रोतों में **लेड-एसडि बैटरी और प्रदूषण नयितरण के बनिा ई-वेस्ट रीसाइकलिंग, लेड-दूषति मसाले, लेड लवण के साथ मटिटी के बर्तन एवं पेंट** तथा अन्य उपभोक्ता उत्पादों में लेड शामिल होना है।
- अनुमान है कि वशिव भर में **80 मिलियन से अधिक बच्चों में (अकेले भारत 27.5 मिलियन) यूएस सेंटर फॉर डज़िज़ कंट्रोल एंड प्रर्वेशन** द्वारा स्थापति **3.5 ग्राम/डीएल मानक से अधिक रक्त लेड सांद्रता** है।

सुझाव:

- देश में प्रदूषण नविवरण हेतु आधुनिक चहुँमुखी विकास संस्थानों की रणनीति के ढाँचे को शामिल करना।
- अंतरराष्ट्रीय संगठनों और राष्ट्रीय सरकारों को जलवायु परिवर्तन तथा जैव विविधता के साथ-साथ तीन वैश्विक पर्यावरणीय मुद्दों में से एक के रूप में प्रदूषण की समस्या को हल करने पर जोर देना जारी रखना चाहिये।
- उपलब्ध जीबीडी (रोग का वैश्विक बोझ) आँकड़े का उपयोग करते हुए नीति और नविश नरिण्यों में प्रमुख चालक के रूप में स्वास्थ्य आयाम के उपयोग को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है।
- प्रभावित देशों को आधुनिक प्रदूषण के प्रमुख मुद्दे वायु प्रदूषण, लेड प्रदूषण और रासायनिक प्रदूषण की पहचान हेतु संसाधनों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिये।
- पवन और सौर ऊर्जा के बड़े पैमाने पर उपयोग से वायु प्रदूषण कम होगा, साथ ही जलवायु परिवर्तन की गति भी धीमी होगी।
- नजी और सरकारी प्रदाताओं को स्वास्थ्य एवं प्रदूषण कार्य योजना (HPAP) प्राथमिकता प्रक्रियाओं, नगिरानी कार्यक्रम कार्यान्वयन का समर्थन करने के लिये प्रदूषण प्रबंधन हेतु धन आवंटित करने की आवश्यकता है।
- जलवायु, जैव विविधता, भोजन और कृषि जैसे अन्य प्रमुख खतरों को दूर करने के लिये सभी क्षेत्रों को प्रदूषण नियंत्रण योजनाओं में एकीकृत करने की आवश्यकता है।
- सभी क्षेत्रों को स्वास्थ्य, ऊर्जा संक्रमण कार्य एवं प्रदूषण पर एक मज़बूत रुख का समर्थन करने की आवश्यकता है।
- अंतरराष्ट्रीय संगठनों को शुरू में रसायनों, अपशिष्ट और वायु प्रदूषण जलवायु एवं जैव विविधता के लिये एक वजिज्ञान नीति इंटरफेस स्थापित करने की आवश्यकता है।
 - वजिज्ञान नीति इंटरफेस (एसपीआई) को सामाजिक प्रक्रियाओं के रूप में परिभाषित किया गया है जो नीति प्रक्रिया में वैज्ञानिकों और अन्य अभिकर्ताओं के बीच संबंधों को शामिल करते हैं, और नरिण्य क्षमता को समृद्ध करने के उद्देश्य से आदान-प्रदान, सह-विकास व ज्ञान के संयुक्त नरिमाण की अनुमति देते हैं।
- भारी धातुओं सहित रासायनिक प्रदूषण के प्रभाव का सही ढंग से निपटान करने के लिये अंतरराष्ट्रीय संगठनों को प्रदूषण ट्रैकिंग को संशोधित करने की आवश्यकता है।
- रिपोर्टिंग सिस्टम को राष्ट्रीय डेटा के अभाव में 'बर्डन ऑफ डज़िज़' संबंधी अनुमानों का उपयोग करने की अनुमति देनी चाहिये।
- अंतरराष्ट्रीय संगठनों और राष्ट्रीय सरकारों को पर्यावरणीय स्वास्थ्य जोखिमों को दूर करने के लिये साक्ष्य-आधारित हस्तक्षेपों को कम करने हेतु डेटा तथा विश्लेषण तैयार करने में नविश करने की आवश्यकता है।
 - प्राथमिकता नविश में लीड बेसलाइन एवं नगिरानी प्रणाली और अन्य रासायनिक नगिरानी प्रणालियों के साथ-साथ विश्वसनीय ज़मीनी स्तर की वायु गुणवत्ता नगिरानी नेटवर्क की स्थापना शामिल होनी चाहिये।
- अंतरराष्ट्रीय संगठनों और राष्ट्रीय सरकारों को लेड, मरकरी या क्रोमियम जैसे खतरनाक रसायनों के संपर्क में आने पर साक्ष्य एकत्र करने के लिये एक समान व उपयुक्त नमूना प्रोटोकॉल का उपयोग करने की आवश्यकता है, जिसकी तुलना नमिन एवं नमिन मध्य-आय वाले देशों से की जा सकती है।

वायु प्रदूषण से निपटने के लिये सरकार की प्रमुख पहलें:

- [ग्रेडेड रसिपांस एकशन प्लान](#)
- ['हरति कर' \(Green Tax\)](#)
- [समॉग टॉवर](#)
- [सबसे ऊँचा वायु शोधक](#)
- [राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम \(NCAP\)](#)
- [बीएस-VI वाहन](#)
- [वायु गुणवत्ता प्रबंधन हेतु नवीन आयोग](#)
- [टर्बो हैपपी सीडर \(THS\)](#)
- [वायु गुणवत्ता और मौसम पूर्वानुमान तथा अनुसंधान \(सफर\)](#)
- [वायु गुणवत्ता की नगिरानी के लिये डैशबोर्ड](#)
- [राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता सूचकांक \(AQI\)](#)
- [वायु \(प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण\) अधिनियम, 1981](#)
- [प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना \(PMUY\)](#)

वर्ष के प्रश्न (PYQs):

प्रश्न. नमिनलखिति में से कौन से कारक/कारण बैजीन प्रदूषण उत्पन्न करते हैं? (2020)

- स्वचालित वाहन द्वारा नषिकासति पदार्थ
- तंबाकू का धुआँ
- लकड़ी जलना
- रोगन कयि गए लकड़ी के फर्नीचर का उपयोग
- पॉलीयुरेथेन से बने उत्पादों का उपयोग करना

नीचे दयि गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनयि:

- (A) केवल 1, 2 और 3
(B) केवल 2 और 4
(C) केवल 1, 3 और 4
(D) 1, 2, 3, 4 और 5

उत्तर: A

व्याख्या:

- बेंजीन (C₆H₆) एक रंगहीन, ज्वलनशील तरल पदार्थ है जिसमें एक मीठी गंध होती है। हवा के संपर्क में आने पर यह जल्दी वाष्पित हो जाता है। बेंजीन प्राकृतिक प्रक्रियाओं से बनता है, जैसे ज्वालामुखी और जंगलों की आग, लेकिन बेंजीन के अधिकांश जोखिम मानव गतिविधियों के परिणामस्वरूप उत्पन्न होते हैं।
- पर्यावरण में बेंजीन प्रदूषण के मुख्य स्रोतों में स्वचालित वाहन द्वारा निकासित पदार्थ, औद्योगिक स्रोत, तंबाकू का धुआँ, लकड़ी जलाने और गैसोलीन भरने वाले स्टेशनों से ईंधन का वाष्पीकरण शामिल है।
- अतः कथन 1, 2 और 3 सही हैं।
- कुछ उद्योग बेंजीन का उपयोग अन्य रसायनों को बनाने के लिये करते हैं जिनका उपयोग प्लास्टिक, फर्नीचर आदि बनाने के लिये किया जाता है, वे बेंजीन प्रदूषण के प्रत्यक्ष स्रोत नहीं हैं। अतः कथन 4 और 5 सही नहीं हैं।
- अतः विकल्प A सही है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/pollution-and-health-report>

